NBI-16070401021700 Seat No. _____

B. R. S. (CBCS) (Sem. II) Examination

April/May – 2017

Hindi : Core - 4

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सभी प्रश्नो के उत्तर सूचनानुसार दीजिए।

१ उपन्यास के उद्‌भव–विकास पर प्रकाश डालिए। १५

अथवा

१ ''गंगामैया उपन्यास के आधार पर गोपी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। १५

२ भाभी का चरित्र–चित्रण कीजिए। १५

अथवा

२ महरु का चरित्र–चित्रण कीजिए। १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं तीन की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) ''गाँव में कई घरों में मातम छाया है, कई घरों में दुख की घटा धिरी है। लेकिन गोपी के घर का विषाद जैसे फैलकर पूरे गाँव पर छा गया है। लोग उसके घर पर भीड़ लगाये रहते हैं।''

(२) ''गोपी के घर खबर पहुँची। माँ – बहुएँ छाती पीट–पीटकर, पछाडे खा–खाकर, चीख–चीखकर रो पड़ी। गोपी को जैसे साँप सूँघ गया। वह सिर पकड़कर जहाँ का तहाँ बैठ गया। बाप दिल पर जैसे घूँसा खाकर पत्थर के बूत बन गये। इस आकस्मिक वज्रपात से उनका मस्तिष्क ही शून्य हो गया था।''

(३) ''एक तरह से वह दीयर का राजा ही माना जाता था। किनारें के मीलों खितों पर उसका एक छत्र राज था। घाघरा की धारा के साथ ही उसका भी महल उठता और गिरता था।''

(४) ''महरु को जब तक नदी की हवा न छुए, नींद न आती थी। उसकी स्वच्छन्द आत्मा को गंगा मैया की लहर एक क्षण को भी छोड़ना सह्य न था। कुएँ का पानी उसे रूचता न था।''

(५) ''गृहस्थ जीवन में शायद ऐसी विधवा का उपयोग लावन की ही तरह है, जिन्दगी भर जलते रहना, जलकर गृहस्थी की सेवा करना, जिस सेवा के फल का भोग दूसरे भोगे और खुद वह राख होकर रह जाये।''

४ 'गंगामैया' उपन्यास की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए। १५

अथवा

४ उपन्यास कला के तत्वों के आधार पर 'गंगामैया' उपन्यास का मूल्यांकन कीजिए। १५

५ 'गंगामैया' उपन्यास में व्यक्त प्रमुख समस्याओं पर प्रकाश डालिए। १०

अथवा

५ उपन्यास कला के तत्वों की चर्चा कीजिए। १०